R.N. College Hajipur
Geography Dept.

कार्स्ट स्थलाकृति

By:- Abhishek Kum
B.A - I

कार्स्ट स्थलाकृतियो की विवेचना करें।

यह प्रक्रम भू-आकृति विज्ञान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्स्ट शब्द की उत्पत्ति यूगोस्लाविया से हुई है। और यह "स्लाविक शब्द" है। इटली मे इसे CARSO फ्रांस में इसे CAUSSES

यह एक संरचना को प्रस्तुत करती है जो चूनापत्थर संरचना होती है और उसमें जलीय प्रक्रम काम करती है यह संरचना सभी पर या सभी पर नही मिलती है तो मिलती कहाँ है?

यह नवीन मोड़दार पर्वत पर जो पूरे विश्व में जगह-2 फैले है–

1. रॉकीज
2. एण्डीज
3. एटलस
4. आल्पस
5. स्कैन्डेनेविया
6. काकेशस
7. लेबेनान
8. जिरगर
9. हिन्दुकुश
10. हिमालय
11. उत्तर से फैली हुई पर्वत
12. ग्रेट डिवाइडिंग रेंज

इसे निम्न मॉडल से देखा जा सकता है–

Megazolid PLUS

5 चूना पत्थर एवं डोलोमाइट के जल के घुलनशीलता अधिक होती है

भूमिगत जल के कार्य

अपरदनात्मक

1. लैपीज
2. घोलरंध्र
3. डोलाइन
4. युवाला
5. पोल्जे
6. अंधी घाटी
7. कंदरा

निक्षेपनात्मक

1. स्टैलेक्टाइट
2. स्टैलेग्माइट
3. कंदरा स्तंभ

1. लैपीज :- चूना युक्त चट्टान पर जल पड़ने से चूना घुल जाने से इस प्रकार की आकृति बनती है जिसे लैपिज कहते हैं।

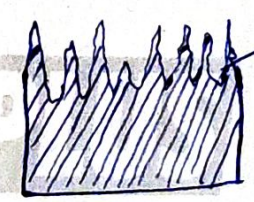

लैपीज

2. घोलरंध्र :-

चूनापत्थर

किसी ^ क्षेत्र मे वर्षा होने से जो गड्ढे बनते हैं उसे घोलरंध्र कहते हैं इनका आकार छोटा-2 होता है।

3. डोलाइन

कई छोटे-2 घोलरंध्र आपस मे मिल जाते हैं तो डोलाइन का निर्माण करते हैं

4. युवाला :-

कई डोलाइन मिलकर युवाला का निर्माण करते हैं।

5. पोल्जे :-

कई युवाला मिलकर पोल्जे का निर्माण करते हैं

Megazolid PLUS